



GEOGRAPHY

Explanation (TEST : 06)

27 Aug. 2018 (03:30 pm)

1. (c) कथन 1, 2 और 3 तीनों ही सत्य हैं।
यदि किसी वायु प्रकोष्ठ में ऊर्जा की प्राप्ति एवं हास के बिना ही तापीय परिवर्तन हो, वह रूद्धोष्म ऊष्मा परिवर्तन कहलाता है। वायु स्वयं एक कुचालक माध्यम होता है। यदि वायु का उत्थान हो तब वायुमंडलीय दाब घटता है एवं दाब घटने से आयतन में वृद्धि होती है। वायु के अवतलित होने पर रूद्धोष्म तापन होता है। अतः अभीष्ट उत्तर (c) होगा।
- 2.(a) कथन 1 सत्य है, जबकि कथन 2 असत्य है।
स्वतंत्र हवा में छोटे-छोटे कणों के चारों ओर ठण्डा होने के कारण संघनन होता है तथा इन छोटे-छोटे कणों को संघनन केंद्रक कहा जाता है। खासकर धूल, धुँआ तथा महासागरों के नमक के कण अच्छे केंद्रक होते हैं, क्योंकि वे पानी को अवशोषित करते हैं। दूसरा कथन असत्य है, क्योंकि संघनन हवा के आयतन, ताप, दाब और आर्द्रता से प्रवाहित होता है।
3. (d) ओला संघनन का प्रारूप नहीं है, वह वर्षण का प्रारूप है। संघनन के प्रारूप-
कुहरा (Fog), कुहासा (Mist), धुँध (Haze) हैं।
4. (a) पहला कथन असत्य है, क्योंकि संघनन के बाद वायुमण्डल की जलवाष्प या आर्द्रता निम्नलिखित में से एक परिवर्तित हो जाती है। ओस, कोहरा, तुषार एवं बादल।
- 5.(d) कथन 1, 2 और 3 सत्य हैं।
वर्षण एक जल-चक्र की अवस्था है, जिसमें वायु में उपस्थित अतिरिक्त आर्द्रता जलकणों अथवा हिमकणों के रूप में गुरुत्वीय प्रभाव से आपतित होते हैं। वर्षण के लिए संघनन एक आवश्यक शर्त है, क्योंकि संघनन से ही बादलों का निर्माण होता है। वर्षण के प्रमुख प्रारूप हैं- जलवर्षा, हिमवर्षा, संवहनीय वर्षा एवं ओलावृष्टि आदि।
6. (a) पक्षाभ मेघ
7. (c) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं।
संवहनीय वर्षा विषुवतीय भागों में मुख्यतः 10° उत्तर से 10° दक्षिण में होती है। जहाँ सूर्य की किरणों लगभग लम्बवत् होती हैं, वहाँ सालों भर तीव्र संवहन होते हैं, जिससे लम्बवत् बादल कपासी वार्षिक मेघ का निर्माण होता है। इस प्रकार की वर्षा दोपहर की वर्षा है, जो 2 से 4 बजे तक लगभग 250 सेमी. होती है। अतः अभीष्ट उत्तर (c) होगा।
8. (b) पर्वतीय वर्षा के दौरान पवनाभिमुख ढाल तीव्र सूखे तथा वर्षा विहीन रहते हैं, जिसे वृष्टिच्छाया प्रदेश कहा जाता है।
9. (c) जब गर्म एवं ठंडी वायु मध्य अक्षांशों पर टकराती है, तब गर्म वायु का उत्थान होता है, जो ठंडी वायु पर फैल जाता है। दोनों का मध्यस्थ क्षेत्र वाताग्र कहलाता है। इसमें गर्म वायु के संघनन से वर्षा स्तरीय मेघ बनते हैं। अतः अभीष्ट उत्तर (c) होगा।
- 10.(c) कथन 1 असत्य है, जबकि कथन 2 और 3 सत्य हैं।
यह गर्म अक्षांशों पर उत्पन्न होती है, जहाँ आधार तत्व समरूपी/सदृश्य हों, जैसे प्रेयरी, स्टेपी, सहारा आदि। यह गर्म वायु राशि होती है। अगर यह ठण्डे प्रदेशों में प्रवेश करे तब निचले संस्तर में शीतलन से कुहरे की दशा बनती है तथा कुछ बूँदाबाँदी निम्नस्तरीय मेघों द्वारा संभव है। अतः अभीष्ट उत्तर (c) होगा।

ANSWER KEY

Geography (27 Aug, 2018) Test No. 06

1.	(c)	2.	(a)	3.	(d)	4.	(a)	5.	(d)	6.	(a)	7.	(c)	8.	(b)	9.	(c)	10.	(c)
----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	-----	-----

